Contents

विषयानुक्रमणिका :-

अध्याय		पृष्ठ
प्रथम अध्याय :		
प्रमरगीत काव्य का मूल स्रोत :	---	१-२३
(क) वेणुगीत	---	५
(ख) वियोग गीत	---	६
(ग) भ्रमरगीत	---	८
(घ) भ्रमरगीत नामकरण का आधार	---	१०
(च) उपालंभ काव्य	---	१३
द्वितीय अध्याय :		
हिन्दी एवं गुजराती काव्य में भ्रमरगीत-परंपरा	---	२४-१४३
(क) हिन्दी काव्य में भ्रमरगीत परंपरा	---	२४-५९
(ख) गुजराती साहित्य में भ्रमरगीत परंपरा	---	५९-१४३
तृतीय अध्याय :		
हिन्दी एवं गुजराती भ्रमरगीत काव्य का भावपक्ष ।	--	१४४-१८९
(क) हिन्दी के भ्रमरगीत काव्य का भावपक्ष	---	१४४-१६३
(ख) गुजराती के भ्रमरगीत काव्य का भावपक्ष	---	१६३-१८९

अध्याय		पृष्ठ
चतुर्थ अध्याय :		
हिन्दी एवं गुजराती भ्रमरगीत काव्य में नाटकीय तत्व ---		१९०-२०९
(क) रास और रासलीला	---	१९२-१९७
(ख) उद्धव लीला	---	१९७-१९८
(ग) नाम सृष्टि-हिन्दी	---	१९८-२०२
(घ) गुजराती के भ्रमरगीत काव्य में चरित्र-चित्रण---		२०३-२०९
पंचम अध्याय :		
हिन्दी एवं गुजराती भ्रमरगीत काव्य का कला सौष्ठव---		२१०-२३९
षष्ठ अध्याय :		
भ्रमरगीत काव्य में भक्ति एवं दार्शनिकता	---	२४०-२६९
(क) हिन्दी	---	२४०-२५३
(ख) गुजराती	---	२५३-२६९
सप्तम अध्याय :		
युगीन परिवेश और हिन्दी में गुजराती के भ्रमरगीत ---		२७०-२८३
अष्टम् अध्याय :		
उपसंहार :	----	२८४-२९५